

बनाना पुं. 1. शंखवादक व्यक्ति, शंख बजाने वाला 2. शंख को बजाने या बेचने वाला।

**शांखिकी स्त्री.** (तत्.) शंख विद्या, शंख को काटकर उससे बनाने वाली वस्तुओं संबंधी विद्या।

**शांडिक पुं.** (तत्.) 1. गिरगिट जैसा एक जंतु 2. सांडा।

**शांडिल्य पुं.** (तत्.) 1. स्मृति ग्रंथ के निर्माता तथा एक गोत्र प्रवर्तक ऋषि, गोत्र विशेष 2. बेल वृक्ष 3. अग्नि का एक प्रकार।

**शांत वि.** (तत्.) प्रसन्न किया हुआ, शमयुक्त, शांतियुक्त, मौन, शामित, जिसका शमन हो चुका हो, स्थिरमना, धीर, सुनसान, चुप, अनुद्वेगशील, श्रान्त, संतुष्ट, भावावेग से रहित, सौम्य, राग आदि से हीन, चिंता रहित, निश्चिंत, उत्साहहीन, विनम्र, समाप्त, क्रोध आदि से निवृत्त, मनोविकारहीन, स्वस्थमना, बुझा हुआ, अप्रयत्नशील, उदासीन, शिथिल, अचंचल, क्षोभ-चिंता, जिसे दुख, उद्वेग आदि न हो पुं. **काव्य.** काव्य रसों में से एक रस जिसका स्थायी भाव निर्वेद (वैराग्य) है।

**शांतता स्त्री.** (तत्.) शांति।

**शांतनव पुं.** (तत्.) शांतनु के पुत्र, भीष्म।

**शांतनु पुं.** (तत्.) द्वापर युग के इक्कीसवें चन्द्रवंशी राजा, प्रतीप के पुत्र, भीष्म के पिता स्त्री. 1. कर्कटी 2. ककड़ी।

**शांत स्वरूपी पुं.** (तत्.) संगीत में, कर्नाटक की पद्धति का एक राग।

**शांता स्त्री.** (तत्.) 1. दशरथ कन्या जिसे अंगराज लोम पद ने गोद लिया और जिसका ऋष्य शृंग ऋषि से विवाह हुआ था 2. रेणुका 2. शमी 4. दूब।

**शांताभिचार पुं.** (तत्.) उपयुक्त कर्मकांडों द्वारा अनिष्ट का निवारण।

**शांति स्त्री.** (तत्.) शमयुक्तता, निःशब्दता, मन की स्थिरता, शमन होने या करने की अवस्था, वेग या क्रिया का अभाव, स्थिरता, सौम्यता, गंभीरता, राग आदि से रहितता, सूनापन, धीरता, अनुद्वेगशीलता, सांत्वना, तसल्ली, विकार आदि का शमन, चंचलता से रहित अवस्था, विरक्ति,

स्वस्थता, इत्मीनान, निश्चिंतता, उत्साहहीनता, नीरवता, सांसारिकता से विराग, क्षुधा-तृप्ति, निःशब्दता, क्षोभ, दुख से रहित मन की अवस्था, निश्चलता, सन्नाटा, स्तब्धता, प्रशांतता, अमन-चैन, प्रशमन, निराकरण।

**शांतिक वि.** (तत्.) प्रायश्चित्तात्मक, तुष्टिकर, सात्वना-प्रद, शांति-संबंधी, शांतिकर पुं. विपदा, अमंगल, अनिष्ट के निवारण हेतु किया जाने वाला यज्ञ।

**शांतिकर्म पुं.** (तत्.) अमंगल, विपदा या अनिष्ट निवारण हेतु किया जाने वाला पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन आदि।

**शांतिकलश पुं.** (तत्.) शांति, शांतिकर्म के लिए स्थापित कलश।

**शांतिकाल पुं.** (तत्.) 1. निष्क्रिय, प्रसुप्त, सुप्त अवधि।

**शांतिगृह पुं.** (तत्.) यज्ञ समापन पर शांति जल से स्नान करने का घर, विश्रामगृह।

**शांतिद वि.** (तत्.) शांति देने वाला।

**शांतिदाता वि.** (तत्.) शांति देने वाला।

**शांतिदायक वि.** (फा.) शांतिप्रद, शांति देने वाला।

**शांतिदायी वि.** (तत्.) शांति देने वाला।

**शांतिनाथ पुं.** (तत्.) जैनों के एक तीर्थंकर या अर्हत् का नाम।

**शांतिनिकेतन पुं.** (तत्.) शांतियुक्त, शांतिदायक गृह, स्थान, शांति देने वाला घर या कोई स्थान 2. एक अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्या संस्था जिसकी स्थापना विश्वकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा पश्चिमी बंगाल के बोलपुर नामक स्थान पर की, अब विश्वविद्यालय का नाम भी शांति निकेतन है।

**शांतिनिलय पुं.** (तत्.) शांतिगृह, शांति देने वाला घर या कोई स्थान।

**शांतिपर्व पुं.** (तत्.) 'महाभारत' ग्रंथ का बारहवाँ पर्व (जहाँ युधिष्ठिर के मन में युद्ध की विभीषिका से उत्पन्न ताप की शांति के लिए ज्ञान, उपदेश आदि का वर्णन है)।